स्नातक हिंदी(ऑनर्स)

(W.E.F. सत्र : 2022-23)

पाठ्यक्रम

हिंदी विभाग

कला अध्ययनशाला

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

(छ.ग.)

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	पृष्ठ संख्या
1.	अध्ययन मंडल की बैठक का कार्यवृत्त	2
2.	Programme Outcomes	3
3.	Programme Specific Outcomes	3 - 4
4.	पाठ्यक्रम संरचना - BA I SEM	5
5.	पाठ्यक्रम संरचना - BA II SEM	6
6.	पाठ्यक्रम संरचना - BA III SEM	7
7.	पाठ्यक्रम संरचना - BA IV SEM	8
8.	पाठ्यक्रम संरचना - BA V SEM	9
9.	पाठ्यक्रम संरचना - BA VI SEM	10
10.	स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम - I SEM	12 - 21
11.	स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम - II SEM	23 - 31
12.	स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम - III SEM	33 - 40
13.	स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम - IV SEM	42 - 49
14.	स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम - V SEM	51 - 58
15.	स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम - VI SEM	60 - 66

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

हिंदी विभाग

(कला अध्ययनशाला)

क्रमांक/Q/हिंदी/BOS/2023 बिलासपुर, दिनांक : 28/04/2023

अध्ययन मण्डल (BOS) की बैठक का कार्यवृत्त

- दिनांक 28 अप्रैल, 2023 को हिंदी विभाग में गूगल मीट पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से बैठक आयोजित की गई।
- बैठक में अध्ययनमंडल समिति के समस्त सदस्यगण ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।
- बैठक में प्रस्तावित स्नातक हिंदी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम पर चर्चा की गई और इसे यूजीसी रेगुलेशन, 2018 के तहत लागू करने की अनुशंसा की गई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर

क्र.	अध्ययन मंडल के सदस्यगण	पदनाम	हस्ताक्षर
1.	डॉ. गौरी त्रिपाठी - सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग)	अध्यक्ष	
2.	प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह – आचार्य हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज (उ.प्र.) (माननीय कुलपतिजी द्वारा नामित वाह्य विषय विशेषज्ञ)	सदस्य	ऑनलाइन उपस्थित
3.	डॉ. रमेश कुमार गोहे - सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)	सदस्य	

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

(W.E.F. सत्र 2022-23)

Programme Outcomes :

PO1 : हिंदी साहित्य के विकास के क्रम में साहित्य और समाज के संबंध को विद्यार्थी साहित्य के इतिहास के माध्यम से समझ सकेंगे। उनमें सकारात्मक चेतना मूर्तमान करने में भी यह पाठ्यक्रम सहायक है।

PO2 : हिंदी का संबंध केवल साहित्य से ही नहीं है, अपितु यह व्यापार की भी भाषा है। आज हिंदी का बाजार काफी समृद्ध है। फलतः बाजार में टिके रहने के लिए हिंदी का ज्ञान होना आवश्यक है।

PO3 : समकालीन समय की आपाधापी में साहित्य विवेक जीवन विवेक को समृद्ध करने में सहायक है,इसकी सहायता से विद्यार्थी नैतिक रूप से स्वयं को उन्नत कर सकते हैं।

PO4 : साहित्यकार साहित्य का निर्माता होने के साथ-साथ संस्कृति और सभ्यता के भी निर्माता होते हैं। कबीर से लेकर रघुवीर तक ने साहित्य की सहायता से सांस्कृतिक विरासत को रूपायित किया है। विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम की सहायता से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और परंपरा की गहरी समझ विकसित कर सकते हैं।

PO5 : साहित्य नया ज्ञान, नवाचार हासिल करने और उज्ज्वल भविष्य गढ़ने में सहायक है।

PO6 : सर्जनात्मक लेखन, नाटक और सिनेमा, कला और डॉक्यूमेंट्री आदि की सहायता से उनमें रचनात्मक क्षमता का विकास संभव हो सकेगा।

Programme Specific Outcomes :

PSO1	साहित्य के ठीक-ठीक अध्ययन के लिए उसके इतिहास का अध्ययन आवश्यक है। विद्यार्थियों में समाज और साहित्य की दशा-दिशा और उसके विकास-क्रम की समझ इतिहास से हासिल होगी। अतीत-बोध की सहायता से भविष्य को निश्चित रूप से बेहतर बनाया जा सकता है। सभ्यता के विकास की कहानी कलाओं में दर्ज रहती है। यह समष्टि की सृजनशीलता का प्रतिफल है। किसी भी देश की सभ्यता समीक्षा इसी आधारशिला पर की जाती है। देश की संस्कृति, सभ्यता, रूढ़ि और परंपराओं से परिचित होने के लिए विद्यार्थियों को कला का ज्ञान होना आवश्यक है। व्यावसायिक क्षेत्रों में सफलता के लिए प्रभावशाली संप्रेषण का विशेष महत्व है। शब्दों को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत कर सकने वाला व्यक्ति ही आज के बाजार में टिकाऊ है। हिंदी भाषा, व्याकरण और रचनात्मक लेखन आदि पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य आधुनिक हिंदी के समृद्ध बाजार में विद्यार्थियों को सफल बनाना रहा है।
PSO2	बीसवीं शताब्दी में मध्यवर्ग के उदय के साथ समाज को देखने के साहित्यिक नजरिए में बदलाव शुरू हो गया। साहित्यमेंआधुनिक युग यथार्थवादी दृष्टिकोण, नैतिकता, आदर्शपरक जीवन-मूल्य, कल्पनाशीलता, वैचारिकता का आग्रह के साथ नानाविध रूपों में मूर्तमान हो उठा। बीसवीं शताब्दी में आए इन बदलावों और नए सामाजिक यथार्थ को समझने के लिए विद्यार्थियों में इंटेंस आकांक्षा पैदा करना इस पाठ्यक्रम का मुख्य आकर्षण है। हिंदी साहित्य की विडंबना यह है कि लोग इसेआधुनिक तकनीक से काटकर देखने के अभ्यस्त हो चुके हैं। इसलिए प्रायः नाटक, निबंध, एकांकी आदि विधाओं के विलुप्त होने के कारण को आलोचक साहित्य के प्रति अरुचि से लगा लेते हैं। दरअसल नाटक, निबंध और एकांकी आदि विधाएँ तकनीक के इस युग में सिनेमा, टेलीविजन, रेडियो और इंटरनेट आदि संचार माध्यमों में हस्तांतरित हो चुकी हैं। इससेहिंदी का प्रभाव और उसका क्षेत्र विस्तृत हुआ है। सिनेमा और मीडिया का अध्ययन और इसतकनीकि युग में हिंदी के योगदान को पाठ्यक्रम में रेखांकित करने की एक विनम्र कोशिश की गई है। हिंदी की भाषिक संरचना का अध्ययन और देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता की पहचान के साथ उसके मानकीकरण की प्रक्रिया इसलिए आवश्यक है क्योंकि यदि कोई विदेशी हिंदी सीखना चाहे, तो भाषा के मानकीकरण के अभाव में

	कहीं हमारी हिंदी उसके लिए जटिल, क्लिष्ट और दुर्बोध न हो जाए।
PSO3	साहित्य के वातायन में भारतीय चिंतनधारा और पाश्चात्य चिंतनधारा में कोई भेद नहीं है। इसमें सभी चिंताधाराएँ बेरोकटोक आती-जाती रहती हैं। इसलिए स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के पाठ्यक्रम में अलग-अलग चिंतनधाराओं के प्राथमिक स्तर का परिचय इस उद्देश्य से शामिल किया गया है कि विद्यार्थी इसकी सहायता से अपनी विवेक बुद्धि के सहारे कुछ नया चिंतन कर सकें और सामाजिक विकास की दिशा में अपनी अग्रगामी भूमिका निभा सकें। लाभ लोभ की अर्थवादिनी सत्ता और कीर्ति व्यवसायिकता के विरुद्ध आदर्श व्यक्ति का निर्माण करना इस पाठ्यक्रम का अनिवार्य लक्ष्य रहा है।
PSO4	हिंदी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा रहती है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, उसमें होने वाले परिवर्तनों के भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कारणों से परिचित हों। भाषा की संरचना का अध्ययन, शब्द संपदा से विद्यार्थियों को परिचित कराने के मद्देनजर यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में भारतीय ग्रामीण समाज की संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारतीय समाज के विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से हिन्दी उपन्यासों का अध्ययन ज्यादा महत्वपूर्ण है। हितोपदेश और नीतिपरक कथाओं के स्थानापन्न मानव विज्ञान और सामाजिक घटनाओं, परिघटनाओं को आधार बनाकर यथार्थ की पहचान कराने वाली कहानियाँ रची गई। ओटीटी प्लेटफॉर्म, धारावाहिकों, सिनेमा आदि में व्यवसाय के समृद्धतम रूप में आज साहित्य बेहद संभावनाशील है। सूचनाक्रान्ति तथा संचार प्रौद्योगिकी के दौर में मीडिया का महत्वपूर्ण स्थान है। मीडिया में हिंदी की केंद्रीय स्थिति और उसके भविष्य के साथ ही हिंदी के मानकीकरण से यह पाठ्यक्रम बिल्कुल भी अछूता नहीं है। एक ऐसा गद्य जिसमें कविता का स्वाद निहित हो, वह सर्जनात्मक लेखन है। तकनीकि माध्यम से यथार्थ की प्रस्तुति के लिए सर्जनात्मक लेखन की केंद्रीय भूमिका है। साहित्य की विविध विधाओं में सर्जनात्मक लेखन की परंपरा से विद्यार्थियों को अवगत कराने के निमित्त यह प्रश्न-पत्र पाठ्यक्रम में शामिल है।
PSO5	साहित्य मनुष्य की मनुष्यता की अभिव्यक्ति का माध्यम है। मौखिक साहित्य में लोक की सृजनशीलता दृष्टिगोचर होती है। साहित्य को विकसित करने में इसके योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता। परंपरागत रूप से लिखे गए नाटक और एकांकी का अध्ययन इस दृष्टि से प्रासंगिक और संभावनापूर्ण है कि यह न केवल अभिनय के क्षेत्र में अपितु पटकथा लेखन में भी हिन्दी के बाजार और व्यवसाय का रास्ता खोलती है। मनुष्यों और वस्तुओं के प्रति वैचारिक और संवेदनात्मक रूप से समृद्ध होने के लिए निबंध विधा महत्वपूर्ण है। इसकी सहायता से हिन्दी गद्य साहित्य के क्रमिक विकास से भी विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे। यह पाठ्यक्रम छात्रों के भीतर अपने समय और समाज को देखने की एक ऐसी दृष्टि विकसित कर सकेगा जिससे साहित्य का बाजार मसलन् सिनेमा, पटकथा लेखन आदि की क्षमता का विकास संभव हो सकेगा।
PSO6	साहित्यिक पत्रकारिता व्यावसायिक संभावनाओं से युक्त है। आज लगभग हर जिले से कोई-न-कोई साहित्यिक पत्रिका प्रकाशित हो रही है। इससे छात्र साहित्यिक पत्रकारिता के इतिहास और बाजार में उसकी संभावना से महज परिचित ही नहीं होंगे, बल्कि इस क्षेत्र में दक्ष भी हो सकेंगे। कार्यालयी हिन्दी के रचनात्मक स्वरूप को जानने के लिए और दैनिक जीवन में बरतने के लिए प्रयोजनमूलक हिंदी आवश्यक है। हिंदी कविताओं के अध्ययन से छात्र भारतीय इतिहास से परिचित होते हैं। कविता अपने में संगीतात्मकता को समेटे होने के कारण आज सिनेमा बाजार में भी सबसे ज्यादा उपयोगी है। पाठ्यक्रम में शामिल साहित्य संवाद का लक्ष्य साहित्य में विद्यार्थियों की दक्षता और सक्रिय हस्तक्षेप को बढ़ावा देना है।

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी(ऑनर्स)
सेमेस्टर – I

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	C1	HIUATT1	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	C2	HIUATT2	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	1	-	30	70	100	**5**
3.	GE1	HIUATG1	कला और साहित्य	4	1	-	30	70	100	**5**
4.	AEC1	HIUATA1	हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण	2	-	-	30	70	100	**2**
	AEC1	HIUATA2	हिंदी भाषा							
5.	SEC1	HIUATL1	रचनात्मक लेखन	2	-	-	30	70	100	**2**
			Grand Total	**16**	**3**	**-**	**150**	**350**	**500**	**19**

Total Credits : 19 Total Contact Hours : 240 Total Marks : 500

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर - II

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	C3	HIUBTT1	आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	C4	HIUBTT2	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	4	1	-	30	70	100	**5**
3.	GE2	HIUBTG1	आधुनिक भारतीय साहित्य	4	1	-	30	70	100	**5**
4.	AEC2	HIUBTA2	हिंदी भाषा : एक सामान्य परिचय	2	-	-	30	70	100	**2**
5.	SEC2	HIUBTL1	साहित्य और हिंदी सिनेमा	2	-	-	30	70	100	**2**
			Grand Total	**16**	**3**	**-**	**150**	**350**	**500**	**19**

Total Credits : 19 Total Contact Hours : 240 Total Marks : 500

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर - III

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	C5	HIUCTT1	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	C6	HIUCTT2	भारतीय काव्यशास्त्र	4	1	-	30	70	100	**5**
3.	C7	HIUCTT3	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	1	-	30	70	100	**5**
4.	GE3	HIUCTG1	पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य	4	1	-	30	70	100	**5**
5.	AEC3	HIUCTA1	हिंदी संचार माध्यम	2	-	-	30	70	100	**2**
			Grand Total	**18**	**4**	**-**	**150**	**350**	**500**	**22**

Total Credits :22 Total Contact Hours : 280 Total Marks : 500

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर –IV

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE/ Int.	Sub Total	
1.	C8	HIUDTT1	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	C9	HIUDTT2	हिंदी उपन्यास	4	1	-	30	70	100	**5**
3.	C10	HIUDTT3	हिंदी कहानी	4	1	-	30	70	100	**5**
4.	GE4	HIUDTG1	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र	4	1	-	30	70	100	**5**
5.	AEC4	HIUDTA1	हिंदी का बाजार और बाजार में हिंदी	2	-	-	30	70	100	**2**
6.	Internship*	HIUDE	अधिन्यास कार्य	-	-	6	-	100	100	**6**
			Grand Total	**18**	**4**	**6**	**150**	**450**	**600**	**28**

Total Credits :28   Total Contact Hours : 355   Total Marks : 600

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam, Int. : Internship.

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर –V

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	C11	HIUETT1	हिंदी नाटक एवं एकांकी	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	C12	HIUETT2	हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	4	1	-	30	70	100	**5**
3.	DSE1	HIUETD1	लोक साहित्य	4	1	-	30	70	100	**5**
4.	DSE2	HIUETD2	राष्ट्रीय काव्यधारा	4	1	-	30	70	100	**5**
5.	AEC5	HIUETA1	हिंदी साहित्य : समय और समाज	2	-	-	30	70	100	**2**
			Grand Total	**18**	**4**	**-**	**150**	**350**	**500**	**22**

Total Credits :22 Total Contact Hours : 280 Total Marks : 500

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर –VI

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA/ PP	ESE/ Dis.	Sub Total	
1.	C13	HIUFTT1	हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	C14	HIUFTT2	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	1	-	30	70	100	**5**
3.	DSE3	HIUFTD1	छायावाद	4	1	-	30	70	100	**5**
4.	Seminar	HIUFS	साहित्य संवाद	2	-	-	-	100	100	**2**
5.	Dissertation/ Project	HIUFD	रिपोर्ताज	5	1	-	30	70	100	**6**
			Grand Total	**19**	**4**	**-**	**150**	**380**	**500**	**23**

Total Credits :23 Total Contact Hours : 290 Total Marks : 500

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam, PP : Paper Presentation, Dis. : Dissertation

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर–I

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर - I

प्रश्न पत्र– 1 : हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUATT1	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- हिंदी साहित्य का क्रमबद्ध विकास
- भक्तिकाल की समानांतर प्रवृत्तियाँ
- दरबारी काव्य परम्परा
- भक्तिकाल में लोक और शास्त्र का अंतर्द्वंद्व
- भक्ति काव्य का लोक जागरण

Syllabus Content :

- **आदिकाल** : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक साहित्य
- **भक्तिकाल** : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य
- **रीतिकाल** : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

सहायकग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य की भूमिका- हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास- विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- किसी भी तरह के अनुशासन के व्यवस्थित अध्ययन के लिए उसके इतिहास का अध्ययन बेहद आवश्यक है।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास से हमें समाज और साहित्य की संक्रमणकालीन दशा और उसके विकास की दिशा को समझने में मदद मिलेगी।
- साहित्य और समाज का सापेक्ष सम्बन्ध होने के कारण तत्कालीन समाज को समझने में सहायता मिलेगी।
- समाज की लोक परम्परा का ज्ञान बढाने में मदद मिलेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	3	3	3	2	3	1	1	3	2	2
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर - I
प्रश्न पत्र– 2 : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUATT2	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- नवजागरण की पृष्ठभूमि
- हिंदी साहित्य में आधुनिकता की अवधारणा
- गद्य विधा का विकास और यथार्थवाद
- हिंदी कविता में राष्ट्रीय स्वाधीनता

Syllabus Content :

- **आधुनिक काल : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, हिंदी नवजागरण।**
  - भारतेन्दु युग
  - द्विवेदी युग
  - छायावाद
  - प्रगतिवाद
  - प्रयोगवाद
  - नई कविता
  - समकालीन कविता
- **हिंदी गद्य का विकास :**
  - स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य
  - स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी गद्य का इतिहास – डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण की समस्याएँ - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. छायावाद- डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का इतिहास वास्तव में आधुनिक भारत के इतिहास का भी अध्ययन है।
- प्रथम स्वाधीनता संघर्ष से लेकर आजादी और फिर उसके बाद के राजनीतिक उतार चढ़ाव की समग्र सामाजिक, राजनीतिक पृष्ठभूमि का ब्यौरेवार अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।
- भारत के बनते हुए सांस्कृतिक इतिहास को साहित्य के माध्यम से समझने में मदद मिलेगी।

- आधुनिकता और उत्तर आधुनिक समाज के सापेक्ष समाज और साहित्य के अंतर्संबंधों तथा सामाजिक संवेदनाओं को प्रदर्शित किया जा सकेगा।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	3	2	3	2	3	3	3	3	2	2	3
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी

सेमेस्टर – I

प्रश्न पत्र– GE1 (Generic Elective) : कला और साहित्य

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUATG1	कला और साहित्य	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- भारतीय नाट्य परम्परा का ज्ञान
- रंगमंच की सामाजिक भूमिका
- नुक्कड़ नाटकों की व्यावसायिक संभावना
- साहित्यिक विधाएं और सामाजिक विडम्बना

Syllabus Content :

खंड (क)

1. कला के रूप
2. कला और समाज
3. भारतीय सौंदर्यशास्त्र और कला के शाश्वत तत्व
4. लोक साहित्य की अवधारणा

खंड (ख)

1. **मास्टर** : नागार्जुन(कविता)
2. **जिस भी दिन बिछड़ गया प्यारे** : भारत भूषण (कविता)
3. **अंधेर नगरी** : भारतेंदु हरिश्चंद्र (नाटक)
4. **गुंडा** : जयशंकरप्रसाद (कहानी)
5. **गुल की बन्नो** : धर्मवीर भारती (कहानी)
6. **बदबू** : शेखर जोशी (कहानी)
7. **क्या तुमने कभी कोई सरदार भिखारी देखा ?** : स्वयं प्रकाश (कहानी)
8. **आँगन में बैंगन** : हरिशंकर परसाई (निबंध)

सहायक ग्रंथ :

1. काव्य कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद, डायमंड पाकेट बुक्स, नई दिल्ली
2. चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. यथार्थवाद – डॉ. शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. प्रेमचंद और उनका युग – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नई कविता और अस्तित्ववाद – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- कला के विविध रूपों का अध्ययन मूलतः सभ्यता के विकास का अध्ययन है, जिसमें लोक के सुख-दुःख, उल्लास और वेदना की भावाभिव्यक्ति होती है।
- यह मूलतः समष्टि की सृजनशीलता का परिणाम है।
- कला का लिखित रूप कालान्तर में साहित्य के रूप में जाना गया, जो व्यष्टि की सृजनशीलता का परिणाम है।

- साहित्य का अध्ययन समाज और इतिहास का अध्ययन है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	2	2	1	3	2	3	2	3	3
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी

सेमेस्टर – I

प्रश्न पत्र– AEC 1 (Ability Enhancement Course) : हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUATA1	हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण	2	-	-	2 Hours	30	70	100	2

Course Objective :

- भाषा की प्रभावशाली अभिव्यक्ति तथा संप्रेषण के लिए व्याकरण का ज्ञान अनिवार्य है।
- व्यावसायिक क्षेत्रों में बहुपयोगी।

Syllabus Content :

- हिंदी व्याकरण एवं रचना - संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां।
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्व
- संप्रेषण के प्रकार एवं माध्यम
- संप्रेषण की तकनीक
- संप्रेषण के चरण : श्रवण एवं अभिव्यक्ति

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी व्याकरण- कामता प्रसाद गुरु, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली
2. हिन्दी शब्दानुशासन- किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. अच्छी हिन्दी – रामचन्द्र वर्मा, साहित्य रत्नमाला, बनारस
4. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन प्रकाशन, पटना
5. देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण – केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार

Course Learning Outcomes :

- प्रभावशाली संप्रेषण के लिए भाषा के व्याकरण का विशेष महत्व है।
- भाषा के बनने में व्याकरण के उपसर्ग, प्रत्यय एवं अन्य अवयवों का ज्ञान, नवीन परिवर्तनों के शब्दों को गढ़ने और भाषा को प्रभावशाली रूप में ढालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
- भाषा का अपना एक समाज होता है। समाज की निर्मिती को बेहतर तरीके प्रदर्शित करने के लिए भाषा का ज्ञान आवश्यक है।
- भारतीय सामाजिक सांस्कृतिक एक्यता को निर्देशित किया जा सकेगा।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	3	2	2	2	3	3	3	2	2	2
CO 3	3	2	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	2	3	2

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी

सेमेस्टर – I

प्रश्न पत्र– AEC 1 (Ability Enhancement Course) : हिंदी भाषा

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUATA2	हिंदी भाषा	2	-	-	2 Hours	30	70	100	2

Course Objective :

- हिंदी साहित्य के विद्यार्थियों के अलावा अन्य अनुशासनों से जुड़े छात्रों के लिए अपनी मातृभाषा, संपर्क भाषा और उसके साहित्य की आधारभूत जानकारी हमेशा अपेक्षित है।
- सामाजिक यथार्थ साहित्यिक लेखन का मुख्य स्रोत है।

Syllabus Content:

भाषा एवं रचना :

हिंदी ध्वनियों का सामान्य परिचय, ध्वनि-परिवर्तन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, हिंदी में आगत विदेशी ध्वनियाँ।

साहित्य-खंड (गद्य) :

पंच परमेश्वर : प्रेमचंद

फूलो का कुर्ता : यशपाल

इंस्पेक्टर माता दीन चाँद पर : हरिशंकर परसाई

साहित्य-खंड (काव्य) :

हिमाद्रि तुंग शृंग से... : जयशंकर प्रसाद

आओ-आओ जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

पढ़िए गीता : रघुवीर सहाय

सहायकग्रंथ :

1. भाषा और समाज – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली
3. कहानी : स्वरूप और संवेदना – राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. विवेक के रंग – देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
5. कहानी : नई कहानी – डॉ. नामवार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कुछ कहानियां कुछ विचार – विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. छायावाद- डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. राग-विराग- डॉ. रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. कविता के नए प्रतिमान - डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes:

- हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षाप्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, लिपि और उसकी संवैधानिक स्थिति आदि के साथ-साथ उसके साहित्य से उनका सामान्य परिचय जरूर हो।
- इसे ही ध्यान में रखकर यह आधार पाठ्यक्रम तैयार किया गया है, जिसकी पूर्ति इस पाठ्यक्रम से संभव हो सकेगी।
- भाषा के बनने में व्याकरण के उपसर्ग, प्रत्यय एवं अन्य अवयवों का ज्ञान, नवीन परिवर्तनों के शब्दों को गढ़ने और भाषा को प्रभावशाली रूप में ढालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

- भाषा का अपना एक समाज होता है। समाज की निर्मिती को बेहतर तरीके प्रदर्शित करने के लिए भाषा का ज्ञान आवश्यक है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	2	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	2	2
CO 4	3	2	2	3	2	3	2	3	2	2	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी

सेमेस्टर – I

प्रश्न पत्र– SEC 1 (Skill Enhancement Course) : रचनात्मक लेखन

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUATL1	रचनात्मक लेखन	2	-	-	2 Hours	30	70	100	2

Course Objective :

- रेडियो, दूरदर्शन और व्यावसायिक रंगमंच के दृष्टिगत रचनात्मक लेखन की संभावना लगातार बढ़ती जा रही है।
- जनरुचियों के परिष्करण और उसके अनुसार हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मकता की आवश्यकता।

Syllabus Content :

- **रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत**

  क. जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति

  ख. लेखन के विविध रूप : मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य

- **विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन**

  क. कविता : चम्पाकाले-काले अच्छर नहीं चीन्हती –त्रिलोचन

  समय की शिला पर–शम्भुनाथ सिंह

  ख. कहानी : नपनी – दूधनाथ सिंह

  अनुपस्थित – देवेंद्र

  ग. व्यंग्य : सदाचार का ताबीज – हरिशंकर परसाई

  घ. निबंध: युद्ध और नारी – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथ :

1. आस्था और सौन्दर्य – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भवन्ती – अज्ञेय, राजपाल एंड संस, दिल्ली
3. एक साहित्यिक की डायरी- गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. हिन्दी स्वरूप और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. एक कवि की नोटबुक – राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कविता का जनपद – अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मंडी में मीडिया – विनीत कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी पत्रकारिता- कृष्ण बिहारी मिश्रा, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- संचार माध्यमों के निर्णायक प्रभाव के इस समय में साहित्य का बाजार तमाम धारावाहिक, कथानकों की प्रस्तुति और सोशल मीडिया में रचनात्मक लेखन का आज सबसे ज्यादा महत्त्व है।
- जीवन-मूल्यों को निर्मित करने वाला भारतीय वाङ्मय आज के बाजार में संचार माध्यमों के द्वारा अपने बाजार मूल्य की प्रचुर सम्भावनाओं को समेटे है।
- भाषा की रचनात्मकता व साहित्य के सापेक्ष उसकी उपादेयता को रेखांकित किया जा सकेगा।
- भाषा के सौंदर्य पक्ष और जनभाषा के तौर पर उसकी सामाजिक उपादेयता को रेखांकित करना।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर–II

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर – II

प्रश्न पत्र– 3 : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUBTT1	**आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- हिंदी साहित्य का मध्यकाल वह आधारभूमि है जिस पर साहित्य का आधुनिक युग और उसके समकालीन सन्दर्भ विकसित हुए हैं।
- बाजार के अत्यधिक दवाब के बावजूद आज के साहित्य को अपनी परम्परा से जोड़े रखने में मध्यकालीन छंद विन्यास और उसकी भाव संवेदना का अध्ययन आवश्यक है।

Syllabus Content :

1. **विद्यापति -** दो पद :
   1. नंदक नंदन कदम्बेरि तरुतरे... (वंशी माधुरी)
   2. कुंज-भवन सँ चलि भेलि हे... (बसंत मिलन)

   संदर्भ : (विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. **कबीर -** दो पद :
   1. अवधू बेगम देस हमारा...
   2. अमरपुर ले चलु हो सजना...

   संदर्भ : (कबीर ग्रथांवली - श्याम सुंदर दास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. **जायसी -** पद्मावत : मानसरोदक खंड

   संदर्भ : (पद्मावत - सं. रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नयीदिल्ली)
4. **सूरदास -**
   1. लरिकाई को प्रेम...
   2. बिन गोपाल बैरनि भई कुंजै...
   3. हमारे हरि हारिल की लकरी...

   संदर्भ : (भ्रमरगीत सार - सं. रामचन्द्र शुक्ल)
5. **तुलसीदास -** अवधेस के द्वारें सकारें गई... **(कवितावली : बालकाण्ड)**

   खेती न किसान को... **(कवितावली)**
6. **रहीम -**
   1. अमर बेलि बिनु मूल की...
   2. आप न काहू काम के...
   3. एक उदर दो चोंच है...
   4. कदली, सीप, भुजंग-मुख...
   5. गरज आपनी आपसों...

   संदर्भ : (रहीम ग्रन्थावली - विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली)
7. **मीरा -**
   1. राणाजी थे क्याँने राखो म्हाँसूँ बैर...
   2. साँवलिया म्हारो छाय रह्या परदेस...
   3. करम गत टाराँ णा री टराँ...

   संदर्भ : (मीरा का काव्य/ मीराँ पदावली - विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली)
8. **बिहारी -**
   1. सीस-मुकुट कटि-काछनी...

2. करौ कुबत जग कुटिलता...
3. पत्रा ही तिथि पाइयै...
4. भाल लाल बेंदी ललन...
5. उड़नि गुड़ी लखि ललन की...

संदर्भ : (बिहारी रत्नाकर - सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

9. **घनानंद-** 1. मीत सुजान अनीति करौ जिन...
2. तब तौ छवि पीवत जीवत हे...

संदर्भ : (घनानंद- कवित्त – सं.विश्वनाथप्रसाद मिश्र,)

10. **रसखान -** 1. गुन्ज गरै सिर मोरपखा...
2. लाय समाधि रहे ब्रह्मादिक योगी...

संदर्भ : (सुजान रसखान - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

11. **नज़ीर अकबराबादी** : कौड़ी है जिसके पास... (बुद्धिमानों की बातें)

संदर्भ : (कविता- समय – डॉ. गौरी त्रिपाठी)

सहायकग्रंथ :

1. त्रिवेणी– रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. विद्यापति पदावली– सं. शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन
3. कविता समय– डॉ. गौरी त्रिपाठी, उत्कर्ष प्रकाशन, कानपुर
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास– रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. रीतिकाव्य की भूमिका– डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. लोकजागरण और हिन्दी साहित्य – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भक्ति आंदोलन और सूर का काव्य– मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- हिन्दी भाषा के पूर्ववर्ती रूप अपभ्रंश, जिसके लिखित रूप से ही हिन्दी साहित्य का व्यवस्थित इतिहास शुरू होता है।
- इसका अध्ययन हिन्दी साहित्य के विकास की दिशा और विभिन्न कालावधियों में उसकी प्रवृत्तियों का अध्ययन, उसके सामाजिक संदर्भों को जानने के लिए आवश्यक है।
- भारतीय इतिहास और समाज के सांस्कृतिक पक्ष को जानना आवश्यक है।
- भक्तिकाव्य भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण भाग है। इसे जानना आवश्यक है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	2
CO 3	3	3	2	3	1	2	2	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर – II
प्रश्न पत्र– 4 : आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUBTT2	आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :
- कविता के स्वायत्त संसार में समाज के विभिन्न वर्गों की उपस्थिति ने न सिर्फ कविता के अलंकरण को समृद्ध किया है, अपितु उसका अंतःकरण भी बदला है।
- आधुनिक स्त्री और प्रकृति एकरूप होते हुए आधुनिक कविता को नया स्वर प्रदान करती हैं।

Syllabus Content :

1. **श्रीधर पाठक** : कश्मीर सुषमा
2. **हरिऔध** : दिवस का अवसान समीप था...
   (प्रिय प्रवास : प्रथम सर्ग - प्रारंभ से दस छंद)
3. **मैथिलीशरण गुप्त** : दोनों ओर प्रेम पलता है...
   (साकेत : नवम सर्ग - प्रारंभ से दस छंद)
4. **मुकुटधर पाण्डेय** : किसान
5. **जयशंकर प्रसाद** : 'स्वप्न' सर्ग
   ('कामायनी' - काव्य संग्रह से)
6. **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला** : जूही की कली, स्नेह निर्झर बह गया है
   ('राग-विराग' – सं. रामविलास शर्मा)
7. **सुमित्रानंदन पंत** : परिवर्तन
   ('तारापथ' - काव्य संग्रह से)
8. **महादेवी वर्मा** : बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ...
   ('दीपशिखा' - काव्य संग्रह से)

सहायकग्रंथ :

1. छायावाद– डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ– डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कविता के नए प्रतिमान– डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास– रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- बीसवीं सदी में भारतीय समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में मध्यवर्ग की प्रभावी भूमिका बनने लगी थी।
- समाज को देखने का उसका यथार्थवादी दृष्टिकोण, नैतिकता, आदर्शपरक जीवन-मूल्य, कल्पनाशीलता, वैचारिक आग्रह आदि इस युग की आधुनिक काव्य में नाना शिल्प विधान के साथ मूर्तमान हो उठे थे।
- इस प्रश्न पत्र का अध्ययन बीसवीं सदी के ऐतिहासिक, सामाजिक और राजनीतिक हलचलों का एक साथ अध्ययन होगा।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	3	3	1	2	2	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी
सेमेस्टर – II
प्रश्न पत्र– GE2 : आधुनिक भारतीय साहित्य

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUBTG1	आधुनिक भारतीय साहित्य	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- भौगोलिक और भाषागत भिन्नता के बावजूद भारतीय संस्कृति और साहित्य का स्वर और उसके संस्कार अभिन्न हैं।
- विविधता में एकता का बोध।

Syllabus Content :

- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता
- महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

पाठ्य पुस्तकें :

- उपन्यास -

आनंद मठ : बंकिम चंद्र
मृत्युंजय : शिवाजी सावंत
संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति

- कविता -

सुब्रमण्यम भारती : स्वतंत्रता (तमिल कविता)

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक भारतीय कविता – सं. डॉ. अवधेश नारायण मिश्र, डॉ. नंदकिशोर पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. रस्साकशी– वीरभारत तलवार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतेन्दु हरिश्चंद और नवजागरण – डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण– डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. संस्कृति के चार अध्याय– रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
6. समय और संस्कृति– श्यामाचरण दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- आधुनिक भारतीय साहित्य का अध्ययन किया जाना है। इसमें विद्यार्थी भारतीय साहित्य से परिचित हो सकेगा।
- यह मूलतः भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता संग्राम के अखिल भारतीय स्वरूप का प्रामाणिक अध्ययन है।
- भारतीय साहित्य के सौन्दर्यबोध को हिंदी साहित्य के साथ सापेक्षतः रखकर देखा जा सकेगा।
- भारतीय वैविध्यता को एक्यता में देखने का नजरिया विकसित हो सकेगा।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	3	3	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी
सेमेस्टर – II

प्रश्न पत्र– AEC2 (Ability Enhancement Course) : हिंदी भाषा : एक सामान्य परिचय

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUBTA1	हिंदी भाषा : एक सामान्य परिचय	2	-	-	2 Hours	30	70	100	2

Course Objective :

- हिंदी भाषा की बनावट और बुनावट का ज्ञान भाषागत प्रयोगों की दिशा और दशा को निर्धारित करती है।

Syllabus Content :

- **भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप**
- **हिंदी की वर्ण-व्यवस्था : स्वर एंव व्यंजन।**
- **स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत।**
- **व्यंजन के प्रकार - स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।**
- **वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दंत्योष्ठ्य।**
- **बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि।**

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – वसुदेव नन्दन प्रसाद, भारती भवन प्रकाशन, पटना
2. सामान्य हिन्दी एवं हिन्दी व्याकरण- ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, यूनिकॉर्न पुस्तक, नई दिल्ली
3. हिन्दी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली
5. हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्त प्रकाशन, जोधपुर

Course Learning Outcomes :

- हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षाप्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, लिपि और उसकी वैज्ञानिकता आदि से उनका सामान्य परिचय जरूर हो।
- इसे ही ध्यान में रखकर यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।
- भाषा के बनने में व्याकरण के उपसर्ग, प्रत्यय एवं अन्य अवयवों का ज्ञान, नवीन परिवर्तनों के शब्दों को गढ़ने और भाषा को प्रभावशाली रूप में ढालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
- भाषा का अपना एक समाज होता है। समाज की निर्मिती को बेहतर तरीके प्रदर्शित करने के लिए भाषा का ज्ञान आवश्यक है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	2	2	3	3	2	2	2	3
CO 4	3	2	2	2	2	2	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी

सेमेस्टर – II

प्रश्न पत्र– SEC2 (Skill Enhancement Course) : साहित्य और हिंदी सिनेमा

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	SubTotal	
HIUBTL1	साहित्य और हिंदी सिनेमा	2	-	-	2 Hours	30	70	100	2

Course Objective :

- सिनेमा के रूप में हिंदी साहित्य का एक बड़ा बाजार संभावनाशील है।
- तकनीक के विभिन्न माध्यमों से साहित्य को आम जनमानस से जोड़ा जा सकता है।

Syllabus Content :

- **सिनेमा और समाज :** विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा।
- **हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास :** भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में।
- **साहित्य और सिनेमा :** अंतरसंबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक।
- **फिल्म समीक्षा**

आरंभ से 1947 :राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, देवदास।

1947 से 1970 : मदर इंडिया, दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर।

1970 से 1990 : गर्म हवा, आक्रोश, शोले, आँधी।

1990 से अद्यतन : तारे जमीं पर, थ्री इडियट्स, बैंडिट क्वीन, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस., पिंक।

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय सिनेमा का इतिहास – अनिल भार्गव, सिने साहित्य प्रकाशन, जयपुर
2. हिन्दी सिनेमा – आदि से अनंत- प्रह्लाद अग्रवाल, साहित्य भंडार, इलाहाबाद
3. पटकथा लेखन – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कथा-पटकथा – मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सिनेमा समय – विष्णु खरे, अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- आज सिनेमा को साहित्य की एक नयी विधा के रूप में स्वीकार कर लिया गया है।
- सिनेमा के रूप में आज इसका बहुत बड़ा बाजार भी है।
- हिंदी साहित्य की बहुत बड़ी व्यावसायिक संभावना के रूप में स्क्रिप्ट राइटिंग का एक क्षेत्र इस माध्यम से उद्घाटित हो रहा है।
- इन सबके दृष्टिगत यह प्रश्नपत्र तैयार किया गया है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	2	2	3
CO 3	3	3	2	3	2	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	2	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर–III

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर – III

प्रश्न पत्र – 5 : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	SubTotal	
HIUCTT1	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- छायावादोत्तर कविता में यथार्थवाद और व्यक्तिवाद दोनों की प्रतिष्ठा है।
- यथार्थवाद जहाँ मार्क्सवाद का वैचारिक आधार लेकर प्रगतिवाद की नयी धारा की शुरूआत करता है, वहीं व्यक्तिवाद तमाम पाश्चात्य अस्तित्ववादी विचारकों के दर्शन का आधार लेकर प्रयोगवाद की एक समानांतर धारा का विकास करता है।

Syllabus Content :

1. **केदारनाथ अग्रवाल** : चन्द्रगहना से लौटती बेर
2. **नागार्जुन** : शासन की बन्दूक
3. **रामधारी सिंह दिनकर** : समर शेष है
4. **श्यामनारायण पाण्डेय** : चेतक की वीरता
5. **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'** : कलगी बाजरे की
6. **भवानी प्रसाद मिश्र** : गीतफरोश
7. **रघुवीर सहाय** : रामदास
8. **सर्वेश्वर दयाल सक्सेना** : देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता
9. **कुंवर नारायण** : एक अजीब दिन, पवित्रता

सहायक ग्रंथ :

1. कवियों की पृथ्वी– अरविंद त्रिपाठी, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा
2. समकलीन कविता का व्याकरण – परमानंद श्रीवास्तव, सुभदा प्रकाशन, दिल्ली
3. कवि कह गया है – अशोक वाजपेयी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. कविता का जनपद – अशोक वाजपेयी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कविता और समय – अरुण कमल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- छायावादोत्तर युग मूलतः काव्यकला और जीवन संवेदना के रूपों में होने वाले आमूलचूल परिवर्तन के साथ विकसित हुआ है।
- इस प्रश्नपत्र का अध्ययन आधुनिक सामाजिक संदर्भों और मानव मनोविज्ञान को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।
- इस प्रश्नपत्र से स्वतंत्रता आन्दोलन के पूर्व सामाजिक-सांस्कृतिक एक्यता को समझ सकेंगे।
- कविताओं का अपना समाज होता है। इस हिसाब से कविता के सौन्दर्यबोध को सामाजिक दृष्टिकोण से देख व समझ सकेंगे।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	2
CO 2	3	2	1	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderately, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र – 6 : भारतीय काव्यशास्त्र

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUCTT2	भारतीय काव्यशास्त्र	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- पाश्चात्य और भारतीय काव्यशास्त्रियों के विवेचन और विश्लेषण का आधार साहित्य का कोई कालखंड न रहकर उसकी सुदीर्घ परम्परा रही है।
- कला जीवन के लिए या कला कला के लिए इन दो मुख्य बिन्दुओं पर जो साहित्यशास्त्र रचा गया, उसे ही काव्यशास्त्र कहते हैं।

Syllabus Content :

- **काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।**
- **रस सिद्धान्त** : रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- **ध्वनि सिद्धान्त** : ध्वनि की अवधारणा, ध्वनियों का वर्गीकरण।
- **अलंकार सिद्धान्त** : अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय।
- **रीति सिद्धान्त** : रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।
- **वक्रोक्ति सिद्धान्त** : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- **औचित्य सिद्धान्त** : औचित्य की अवधारणा।
- **हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास** : सामान्य परिचय।

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय काव्यशास्त्र कीपरंपरा– डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. भारतीय काव्यशास्त्र– डॉ. तारकनाथ बाली, वाणीप्रकाशन, नयी दिल्ली
3. काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना – डॉ. रामचंद्र तिवारी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
5. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव मिश्र, अशोक प्रकाशन, नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- भारतीय काव्यशास्त्र मूलतः हमारी भारतीय संस्कृति का शास्त्र है।
- संस्कृति में होने वाले परिवर्तनों का प्रभाव काव्यशास्त्रियों के भिन्न चिंतन और उनकी चिंताओं का इतिहास है।
- साहित्य के भीतर समाज को देखना और उसे परम्परागत दृष्टियों से रेखांकित करने की प्रवृत्ति विकसित होगी।
- भाषा और साहित्य को पढ़ने तथा उसके सामाजिक उपदेयों की समझ विकसित होगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	2
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	2	2	2	1	3
CO 4	3	3	2	2	2	1	2	3	2	2	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर – III

प्रश्न पत्र – 7 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUCTT3	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- ईसा पूर्व चौथी शताब्दी से लेकर समकालीन समय तक पाश्चात्य विचारकों ने साहित्य को जिस दृष्टिकोण से अध्ययन किया है, उस पूरी परम्परा को इस प्रश्न पत्र में समाहित करने की कोशिश की गयी है।

Syllabus Content :

- **प्लेटो** : काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- **अरस्तू** : अनुकृति एवं विरेचन।
- **लोंजाइनस** : काव्य में उदात्त की अवधारणा।
- **वर्ड्सवर्थ** : काव्य भाषा का सिद्धान्त।
- **कॉलरिज** : कल्पना और फैंटेसी।
- **क्रोचे** : अभिव्यंजनावाद।
- **टी.एस. एलियट** : परंपरा और निर्वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त।
- **आई.ए. रिचडर्स** : मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त।
- नई समीक्षा, मार्क्सवादी समीक्षा।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।
- संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता।

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर बुक्स, इंदौर
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धान्त और वाद – सूर्य प्रसाद दीक्षित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- जिस तरह भारतीय काव्यशास्त्र में भारतीय संस्कृति का उत्थान-पतन दिखाई देता है, उसी तरह पाश्चात्य काव्यशास्त्र जीवन में साहित्य की भूमिका के मद्देनजर लिखे गए हैं।
- साहित्य के भीतर समाज को देखना और उसे परम्परागत दृष्टियों से रेखांकित करने की प्रवृत्ति विकसित होगी।
- भाषा और साहित्य को पढ़ने तथा उसके सामाजिक उपदेयों की समझ विकसित होगी।
- पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय परम्परा का भारतीय साहित्य के ऊपर उपादेयता को स्पष्ट किया जा सकेगा।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	2
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	2	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र – GE3 (Generic Elective) पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUCTG1	पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- आधुनिक युग के साथ पाश्चात्य साहित्य और उनकी विचारधाराओं का प्रभाव इस हद तक बढ़ने लगा था कि प्राचीन भारतीय काव्यशास्त्रियों के चिंतन को अपर्याप्त मानते हुए पाश्चात्य विचारकों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी आलोचना की नयी-नयी धाराएं विकसित होने लगी थीं। यहाँ उसी का अध्ययन है।

Syllabus Content :

- अभिव्यंजनावाद
- स्वच्छंदतावाद
- अस्तित्ववाद
- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- आधुनिकतावाद
- संरचनावाद
- कल्पना, बिंब, फैंटेसी
- मिथक एवं प्रतीक

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं नव समाजशास्त्रीय सिद्धान्त – एस. एल. दोषी, रावत पब्लिकेशन, जयपुर
2. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द- बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा- निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन लगभग ढाई हजार वर्षों में दार्शनिक विचारों एवं विचारधाराओं का अध्ययन है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र इसी परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य का अध्ययन प्रस्तुत करता है।
- पाश्चात्य विचारकों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी आलोचना की नयी-नयी धाराओं को स्पष्ट किया सकेगा।
- साहित्य का चिंतन और समाज एक दूसरे के सापेक्ष दिखाई देते हैं। इस पक्ष को स्पष्ट किया जा सकेगा।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	3	2	3	2	1	3	1	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	2	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र – AEC3 (Ability Enhancement Course) हिंदी संचार माध्यम

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUCTA1	हिंदी संचार माध्यम	2	-	-	2 Hours	30	70	100	2

Course Objective :

- 20वीं सदी के उत्तरार्द्ध में तकनीकी विकास के चलते सूचना एवं जनसंचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व क्रान्ति हुई। साहित्य का बाजार नए रूपों में विकसित होना शुरू हुआ। इन्हीं संभावनाओं के मद्देनजर यह प्रश्नपत्र तैयार किया गया है।

Syllabus Content :

मीडिया में हिंदी :

- प्रिंट मीडिया
- इलेक्ट्रानिक मीडिया
- विज्ञापन मीडिया
- फिल्म समीक्षा
- पुस्तक समीक्षा

सहायक ग्रंथ :

1. पटकथा लेखन – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मीडिया और हिन्दी : बदलती प्रवृत्तियाँ – सं. रवीद्र जाधव, केशव मोरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विज्ञापन की दुनिया – कुमुद शर्मा, प्रतिभा प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
4. पुस्तक समीक्षा का परिदृश्य – सं. शिवनाथ प्रसाद तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रिंट मीडिया लेखन – डॉ. हरीश अरोड़ा, के के पब्लिकेशन, नई दिल्ली
6. मीडिया जनतंत्र और आतंकवाद – सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
7. फिल्म पत्रकारिता – विनोद तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- आधुनिक युग सूचनाक्रान्ति तथा संचार प्रौद्योगिकी के रूप में जाना जा रहा है।
- हिंदी पत्रकारिता का इतिहास स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका, उसका स्वरूप उसकी चुनौतियां का रेखांकन होगा।
- आज के युग में उसकी भूमिका का अध्ययन इस पाठ्यक्रम के माध्यम से संभव हो सकेगा।
- इस पाठ्यक्रम से संचार माध्यम के नाना रूपों में हिंदी की संभावनाओं से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	1	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	2	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर–IV

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर – IV
प्रश्न पत्र – 8 भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUDTT1	**भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- भाषा की संरचना का अध्ययन
- भाषा के अवयवों का अध्ययन और विश्लेषण
- भाषा के विकास की प्रकृति और शब्द भण्डार
- भाषा-बोली की विशेषताओं का अध्ययन

Syllabus Content :

- भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।
- भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।
- स्वनिम विज्ञान : स्वन, परिभाषा, वागीन्द्रियाँ।
- स्वनों का वर्गीकरण : स्थान और प्रयत्न के आधार पर, स्वन परिवर्तन के कारण।
- रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप (पद), पद विभाग - नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।
- वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
- अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
- अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
- राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, जोधपुर
3. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु, पराग प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

Course Learning Outcomes :

- भाषा एक सामाजिक और अर्जित संपत्ति है।
- ध्वनि परिवर्तन, अर्थ परिवर्तन आदि भाषा के नाना रूपों में होने वाले परिवर्तनों के मूल में सामाजिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक कारण होते हैं।
- हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षाप्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, लिपि और उसकी संवैधानिक स्थिति आदि के साथ-साथ उसके साहित्य से उनका सामान्य परिचय जरूर हो।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर – IV
प्रश्न पत्र – 9 हिंदी उपन्यास

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUDTT2	हिंदी उपन्यास	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :
- आधुनिक युग के उपन्यास महाकाव्यों के स्थानापन्न विकसित हुए।
- धीरोदात्त नायकों की जगह चरित्रों के माध्यम से समाज का अध्ययन शुरू हुआ।

Syllabus Content :
- **गबन** : प्रेमचंद
- **चित्रलेखा** : भगवतीचरण वर्मा
- **अपना मोर्चा** : काशीनाथ सिंह
- **स्वर्णमृग** : गिरिराज किशोर
- **महाभोज** : मन्नू भंडारी

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा– रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. वर्चस्व की सत्ता और हिन्दी उपन्यास- वीरेंद्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास का इतिहास– गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. उपन्यास की संरचना– गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. उपन्यास और हिन्दी आलोचना- शम्भूनाथ मिश्र, केके पब्लिकेशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।
- उपन्यास का अपना एक देश होता है। इससे भारतीय समाज को नए सन्दर्भों में देखने का प्रयास होगा।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	2	2	3	3	2	2	3	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर – IV

प्रश्न पत्र – 10 हिंदी कहानी

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	SubTotal	
HIUDTT3	हिंदी कहानी	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- हितोपदेश और नीतिपरक कथाओं के स्थानापन्न मानव मनोविज्ञान और सामाजिक घटनाओं, परिघटनाओं को आधार बनाकर यथार्थ की पहचान कराने वाली कहानियाँ रचीगईं।

Syllabus Content :

- उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- पूस की रात : प्रेमचंद
- आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
- हार की जीत : सुदर्शन
- रोज : अज्ञेय
- आदिम रात्रि की महक : फणीश्वरनाथ 'रेणु'
- मिस पाल : मोहन राकेश
- परिन्दे : निर्मल वर्मा
- दोपहर का भोजन : अमरकांत
- बादलों के घेरे : कृष्णा सोबती
- पिता : ज्ञानरंजन
- वापसी : उषा प्रियंवदा

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कहानी प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कहानी की अंदरूनी सतह – शंभु गुप्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- हिंदी कहानी का बाजार विभिन्न चैनलों द्वारा प्रसारित धारावाहिकों, वेबसीरीज और समानान्तर सिनेमा से लेकर व्यावसायिक सिनेमा के भीतर समृद्धतम रूप में समृद्ध और संभावनाशील है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

- कहानियों का अपना एक देश होता है। इससे भारतीय समाज को नए सन्दर्भों में देखने का प्रयास होगा।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	3	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी
सेमेस्टर – IV
प्रश्न पत्र – GE4 (Generic Elective) सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUDTG1	**सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- तकनीकी माध्यम से यथार्थ की प्रस्तुति के लिए साहित्य की विविध विधाओं में सर्जनात्मक लेखन की परम्परा शुरू हुई। यह एक ऐसा गद्य है, जिसमें कविता का स्वाद निहित है।

Syllabus Content :

- **रिपोर्ताज़** : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि।
- **फीचर लेखन** : विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।
- **साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता)** : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्व।
- **स्तंभ लेखन** : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और नियमित पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।
- **दृश्य-सामग्री** : छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि से संबंधित लेखन।
- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।
- आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।

सहायक ग्रंथ :

1. मंडी में मीडिया - विनीत कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मीडिया लेखन और संपादन कला - डॉ. गोविन्द प्रसाद, अनुपम पांडेय, डिस्कवरी पब्लिशिंग हॉउस, नयी दिल्ली
3. ईश्वर की आँख - उदय प्रकाश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रचना का अंतरंग - देवेंद्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. कथा पटकथा - मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- दैनिक समाचार पत्रों, साप्ताहिक पत्रिकाओं, रेडियो और दूरदर्शन में फीचर लेखन, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, स्तम्भ लेखन और सर्जनात्मक लेखन आदि का स्पेस पहले से ज्यादा बढ़ा हुआ है।
- इसका अध्ययन छात्रों को उक्त क्षेत्रों से जोड़ने के अलावा कंटेंट राइटिंग के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण है।
- भाषा का समाज के सापेक्ष अध्ययन संभव होगा ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	2	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी

सेमेस्टर – IV

प्रश्न पत्र – AEC4 (Ability Enhancement Course) हिंदी का बाजार और बाजार में हिंदी

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	SubTotal	
HIUDTA1	हिंदी का बाजार और बाजार में हिंदी	2	-	-	2 Hours	30	70	100	2

Course Objective :

- बाजारवाद के बढ़ते प्रभाव के चलते परंपरागत हिंदी पाठकों के लिए लगातार स्थान सिकुड़ रहा था लेकिन तमाम चैनलों पर मनोरंजन के कार्यक्रमों के लिए हिंदी का नया बाजार विकसित होने लगा।

Syllabus Content :

- **हिंदी सिनेमा** : मदर इंडिया, तीसरी कसम, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस., थ्री इडियट्स
- **सोशल मीडिया** : ब्लॉग लेखन, वेब पत्रिकाएँ, हिंदवी और यूट्यूब
- **हिंदी के धारावाहिक** : पंचायत - वेबसीरीज़
- **विज्ञापन** : स्वच्छ भारत अभियान आदि सरकारी विज्ञापन एवं गैर सरकारी विज्ञापन
- **समाचार चैनल** : बस्तर टॉकीज और अन्य आँचलिक चैनल

सहायक ग्रंथ :

1. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रज़ा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सिनेमा समय : विष्णु खरे, अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी सिनेमा के सौ बरस : कमला प्रसाद पाण्डेय, साहित्य भण्डार, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- परंपरागत रूप से हिंदी साहित्य का अध्ययन जीवन-मूल्यों के निर्धारण में बेहद महत्त्वपूर्ण होने के बावजूद उसके बाजार मूल्य की संभावना अत्यंत क्षीण थी।
- हिंदी आज अनिवार्य रूप से बाजार की भाषा बन चुकी है।
- इसके मद्देनजर हमें परम्परागत हिंदी का बाजार निर्मित करने की ओर ध्यान देना है।
- हिंदी सिनेमा सोशल मीडिया, हिंदी धारावाहिक, समाचार चैनल इस पाठ्यक्रम के ऐसे अंग हैं, जिनके परिप्रेक्ष्य में हमें हिंदी का बाजार विकसित करना होगा।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	2	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर – IV
प्रश्न पत्र – Internship अधिन्यास कार्य

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE/ Int.	SubTotal	
HIUDE	अधिन्यास कार्य	-	-	6	-	00	100	100	6

Course Objective :

- छात्रों के बीच रचनात्मक लेखन का विकास करने की दृष्टि से साहित्य के नए-नए विषयों की तलाश।

Syllabus Content :

- ❖ स्नातक हिंदी (ऑनर्स) के विद्यार्थियों को सेमेस्टर अवकाश के दौरान तीनों कोर विषय के संबंधित अध्यापक अधिन्यास कार्य देंगे।

Course Learning Outcomes :

- पत्रकारिता और दूरदर्शन के समृद्ध हो रहे बाजार में आज जिस तरह के हिंदी लेखन की मांग बढ़ी है, उसके स्वभावगत विकास के लिए इस प्रश्नपत्र में रचनात्मकता की अनंत संभावना है।
- परंपरागत रूप से हिंदी साहित्य का अध्ययन जीवन-मूल्यों के निर्धारण में बेहद महत्त्वपूर्ण होने के बावजूद उसके बाजार मूल्य की संभावना अत्यंत क्षीण थी।
- हिंदी आज अनिवार्य रूप से बाजार की भाषा बन चुकी है।
- इसके मद्देनजर हमें परम्परागत हिंदी का बाजार निर्मित करने की ओर ध्यान देना है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	2
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	3	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	2	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर–V

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर – V
प्रश्न पत्र – 11 हिंदीनाटक एवं एकांकी

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	SubTotal	
HIUETT1	हिंदी नाटक एवं एकांकी	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :
- नए विषयों की तलाश।
- नुक्कड़ नाटक और एकांकी की व्यावसायिक संभावनाओं की तलाश।

Syllabus Content :

-- नाटक --

अंधेर नगरी	:	भारतेंदु हरिश्चन्द्र
स्कंदगुप्त	:	जयशंकर प्रसाद
आषाढ़ का एक दिन	:	मोहन राकेश
माधवी	:	भीष्म साहनी

-- एकांकी --

औरंगजेब की आखिरी रात	:	रामकुमार वर्मा
भोर का तारा	:	जगदीशचंद्र माथुर
अंजो दीदी	:	उपेन्द्रनाथ अश्क

सहायक ग्रंथ :

1. भारतेंदु युग और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र : देवेंद्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

Course Learning Outcomes :

- अभिनय क्षमता के विकास से आज के समृद्ध सिनेमा बाजार में व्यवसाय की प्रचुर संभावनाएं विद्यमान हैं।
- परम्परागत रूप से लिखे गए नाटक और एकांकी का अध्ययन इस दृष्टि से सर्वाधिक प्रासंगिक और संभावनापूर्ण है।
- न सिर्फ अभिनय के क्षेत्र में बल्कि पटकथा लेखन में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हिंदी के बाजार और व्यवसाय का रास्ता खोलती है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	2	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर – V
प्रश्न पत्र – 12 हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUETT2	हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- हिंदी गद्य के क्रमशः विकास से परिचित कराता यह पाठ्यक्रम व्यक्तियों, वस्तुओं के प्रति वैचारिक और संवेदनात्मक संबंधों पर आधारित है।

Syllabus Content :

- बालकृष्ण भट्ट – साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है
- रामचन्द्र शुक्ल – करुणा
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – देवदारु
- प्रेमचंद – साहित्य का उद्देश्य
- रामविलास शर्मा – तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य
- काशीनाथ सिंह – दन्त कथाओं में त्रिलोचन
- उदय प्रकाश – एक देह अनेक आत्माएँ

सहायकग्रंथ :

1. चिंतामणि, भाग - 1 : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. साहित्यिक निबंध : गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. वाद-विवाद संवाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. श्रेष्ठ ललित निबंध : कृष्णबिहारी मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. निबंध निलय : डॉ. सत्येन्द्र (सं.), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. नयी सदी का पंचतंत्र : उदय प्रकाश, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- आधुनिक युग से पहले गद्य विधाओं का अस्तित्व बहुत ही कम था। पत्रकारिता के विकास के साथ-साथ हिंदी निबंधों का विकास हुआ है।
- निबंधों की इस पृष्ठभूमि पर हम शब्द चित्रों के माध्यम से पत्रकारिता का रचनात्मक स्वरूप विकसित कर सकते हैं।
- इसके मद्देनजर हमें परम्परागत हिंदी का बाजार निर्मित करने की ओर ध्यान देना है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	3	2	3	3	1	3	2	3	2	2	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	2	3	2	2	3	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर – V
प्रश्न पत्र – DSE1 (Discipline Specific Elective) लोक साहित्य

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	SubTotal	
HIUETD1	लोक साहित्य	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- किसी भी समाज का लोक साहित्य समष्टि की सृजनशीलता का परिणाम होता है।
- किसी भी समाज की संस्कृति और जीवन-मूल्यों को लोक साहित्य के माध्यम से पहचाना और जाना जा सकता है।

Syllabus Content :

- लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।
- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।
- लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग-कथा, कथा रूढ़ियाँ और अंधविश्वास।
- लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरें, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- लोकनृत्य एवं लोकसंगीत।

सहायक ग्रंथ :

1. कला और संस्कृति : वासुदेव शरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. लोक संस्कृति और इतिहास : बद्रीनारायण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. लोक संस्कृति में राष्ट्रवाद : बद्रीनारायण, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. आँचलिकता और लोक जीवन : विनम्र सेन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- हमारा लोक साहित्य मूलतः समष्टि की सृजनशीलता के परिणाम हैं।
- लोक कथाएँ और लोक गीत नयी तकनीक के माध्यम से दृश्य चित्रों और मार्मिक गीतों के सचित्र प्रसार में व्यापक संभावनाएं समेटे हुए हैं।
- इसके मद्देनजर हमें परम्परागत हिंदी का बाजार निर्मित करने की ओर ध्यान देना है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।
- लोक का अपना लोक होता है । उसे साहित्य के माध्यम से समझ से देखने का प्रयास होगा ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर – V

प्रश्न पत्र – DSE2 (Discipline Specific Elective) राष्ट्रीय काव्यधारा

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUETD2	राष्ट्रीय काव्यधारा	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- स्वतन्त्रता संघर्ष के दौरान न सिर्फ राजनैतिकों की भागीदारी हो रही थी, बल्कि राष्ट्रीयता जैसे सामाजिक मूल्यों का विकास राष्ट्रीय काव्यधारा के माध्यम से हमारे साहित्यकारों की भी भागीदारी को अभिव्यक्त करता है।

Syllabus Content :

- **मैथिलीशरण गुप्त** : **भारत-भारती (अतीत खंड)**
  संदर्भ : (भारत-भारती : मैथिलीशरण गुप्त)
- **माखनलाल चतुर्वेदी** : **मेरी रसवंती**
  संदर्भ : (माखनलाल चतुर्वेदी रचनावली : सं. श्रीकांत जोशी)
- **जयशंकर प्रसाद** : **क. अरुण यह मधुमय देश हमारा...**
  ख. हिमाद्रि तुंग शृंग से...
  संदर्भ : ('चन्द्रगुप्त' नाटक से)
- **सुभद्रा कुमारी चौहान** : **झाँसी की रानी**
  संदर्भ : (हिंदी की श्रेष्ठ कविताएँ : सं. राजीव मणि)
- **रामधारी सिंह दिनकर** : **क. मेरे नगपति! मेरे विशाल!**
  संदर्भ : (रेणुका : रामधारी सिंह दिनकर)
  ख. श्वानों को मिलता दूध-वस्त्र, भूखे बालक अकुलाते हैं
  संदर्भ : (हुँकार : रामधारी सिंह दिनकर)

सहायकग्रंथ :

1. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य : बीसवीं सदी : नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. आधुनिक काव्य यात्रा : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. तारसप्तक : अज्ञेय (सं), भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
5. कला का नेपथ्य : गौरी त्रिपाठी, उत्कर्ष प्रकाशन, कानपुर

Course Learning Outcomes :

- यह प्रश्नपत्र राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में हिंदी भाषी प्रदेशों की जनाकांक्षाओं को अभिव्यक्त करता है।
- भारतीय संस्कृति और जीवन-मूल्यों को परिचित कराता यह प्रश्नपत्र छात्रों में अपनी संस्कृति तथा राष्ट्रीय चेतना का बोध पैदा करेगा।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	3	2	3
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	3	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी
सेमेस्टर – V
प्रश्न पत्र – AEC5 (Ability Enhancement Course) हिंदी साहित्य : समय और समाज

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUETA1	हिंदी साहित्य : समय और समाज	2	-	-	2 Hours	30	70	100	2

Course Objective :

- समय उसकी विडंबनाओं और अंतर्विरोधों को अभिव्यक्त करता साहित्य न सिर्फ अपने समय का दर्पण होता है बल्कि कहा जाए, तो उसे अपने समय और समाज का एक्स-रे कहना ज्यादा तार्किक होगा।

Syllabus Content :

हिन्दी साहित्य : सामान्य परिचय

कविता :

दुष्यंत कुमार : कहाँ तो तय था, गुलमोहर
नीरज के गीत : अब तो मजहब कोई ऐसा भी चलाया जाए
निराला : किनारा वो हमसे किये जा रहे हैं
नागार्जुन : प्रेत का बयान

कहानी :

स्वयं प्रकाश : बर्थडे
प्रियंवद : खरगोश
मन्नू भंडारी : यही सच है

सहायक ग्रंथ :

1. कुछ कहानियाँ कुछ विचार : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. एक दुनिया : समानांतर : (सं.) राजेन्द्र यादव, अक्षर प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. विवेक के रंग : देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
4. रचना भी आलोचना है : काशीनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
5. निराला की साहित्य साधना : भाग – 2, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. राग-विराग : (सं.) रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- यह प्रश्नपत्र छात्रों के भीतर अपने समय और समाज को देखने की एक ऐसी दृष्टि प्रदान करेगा जिससे साहित्य का बाजार मसलन सिनेमा, पटकथा लेखन आदि की क्षमता का विकास संभव हो सकेगा।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर–VI

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर – VI
प्रश्न पत्र – 13 हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUFTT1	हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- हिंदी के समाचार-पत्र जिस तरह अपने समाज, सत्ता और राजनीति के प्रति जागरूक करते हैं, उसी तरह साहित्यिक पत्रकारिता साहित्यकारों की वैचारिकता और रचनात्मकता के प्रति जागरूक करते हुए साहित्य की नयी-नयी प्रवृत्तियों और विमर्शों से परिचित कराती है।

Syllabus Content :

- **साहित्यिक पत्रकारिता** : अर्थ, अवधारणा और महत्व।
- **भारतेन्दु युगीन साहित्यिक पत्रकारिता** : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- **द्विवेदी युगीन साहित्यिक पत्रकारिता** : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- **प्रेमचंद और छायावाद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता** : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- **स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता** : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- **समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता** : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- **साहित्यिक पत्रकारिता** : अनुवाद की भूमिका।
- **महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ** : बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, हिंदुस्तान, आज, स्वदेश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।

सहायक ग्रंथ :

1. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिंदी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

Course Learning Outcomes :

- आज साहित्यिक पत्रकारिता का व्यवसाय अत्यधिक सम्भावनाओं से भरा हुआ है।
- लगभग हर जिले से कोई न कोई साहित्यिक पत्रिका प्रकाशित हो रही है।
- यह प्रश्नपत्र छात्रों को साहित्यिक पत्रकारिता के इतिहास तथा बाजार बनाती उसकी संभावना के लिए बेहद उपयोगी है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	2
CO 2	3	2	3	3	3	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर – VI
प्रश्न पत्र – 14 प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUFTT2	**प्रयोजनमूलक हिंदी**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- राष्ट्रभाषा बनने के क्रम में प्रयोजनमूलक हिंदी का यह पाठ्यक्रम हिंदी को हमारे दैनिक व्यवहार के लिए प्रासंगिक बनाता है।

Syllabus Content :

- **मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी** : सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।
- **हिन्दी की शैलियाँ** : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
- **हिन्दी भाषा** : उद्भव और विकास, हिन्दी का मानकीकरण।
- **हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र** : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता-प्रकार और शैली।
- **प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार** : कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।
- **भाषा व्यवहार** : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा-लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र-लेखन।
- **हिन्दी में पारिभाषिक शब्द** : निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य : डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, अलका प्रकाशन, कानपुर
3. हिंदी उर्दू और हिन्दुस्तानी : पद्मसिंह शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. अनुवाद और उत्तर आधुनिक अवधारणाएं : श्री नारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- यह प्रश्नपत्र कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग से छात्रों को न सिर्फ परिचित कराता है, बल्कि उनके भीतर कार्यालयी हिंदी के रचनात्मक स्वरुप को विकसित करने की संभावना के लिए भी उपयोगी है।
- भाषा के बनने में व्याकरण के उपसर्ग, प्रत्यय एवं अन्य अवयवों का ज्ञान, नवीन परिवर्तनों के शब्दों को गढ़ने और भाषा को प्रभावशाली रूप में ढालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है।
- भाषा का अपना एक समाज होता है। समाज की निर्मिती को बेहतर तरीके प्रदर्शित करने के लिए भाषा का ज्ञान आवश्यक है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	3
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	2	2	3	3	2	2	3	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर – VI
प्रश्न पत्र – DSE3 छायावाद

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIUFTD1	छायावाद	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- उपनिवेशवाद से मुक्ति की कामना
- रुढ़िग्रस्त विचारों की जगह परिवर्तन को प्रोत्साहन
- वैयक्तिक चेतना का विकास

Syllabus Content :

- **जयशंकर प्रसाद**
  1. आंसू (काव्य खंड के प्रथम 15 पद)
  संदर्भ : आंसू (खंडकाव्य)
  2. ले चल मुझे भुलावा देकर मेरे नाविक धीरे धीरे
  संदर्भ : (प्रतिनिधि कविताएँ : जयशंकर प्रसाद)

- **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला**
  1. तोड़ती पत्थर
  2. बादल राग – 6
  3. बांधो न नाव इस ठांव बंधु
  संदर्भ : (समस्त कविताएँ 'राग विराग' संग्रह से)

- **सुमित्रानंदन पंत**
  1. द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र
  2. मौन निमंत्रण
  3. मोह
  संदर्भ : (समस्त कविताएँ : 'तारापथ' संकलन से)

- **महादेवी वर्मा**
  1. जो तुम आ जाते एक बार
  2. मधुर- मधुर मेरे दीपक जल
  3. पंकज कली
  संदर्भ : (समस्त कविताएँ 'प्रतिनिधि कविताएँ' महादेवी वर्मा से)

सहायक ग्रंथ :

1. छायावाद : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. लौट आओ ओ धार : दूधनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. नई कविता एक साक्ष्य : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- रचनात्मकता के नव्य से नव्यतर नाना रूपों को विकसित करने में यह प्रश्नपत्र सबसे ज्यादा उपयोगी है।

- इसका अध्ययन भारत के इतिहास से तो परिचित कराता ही है बल्कि कविता के संगीतात्मकता को समेटे होने के कारण आज के सिनेमा बाजार के लिए भी सबसे ज्यादा उपयोगी है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातक हिंदी (ऑनर्स)

सेमेस्टर – VI

प्रश्न पत्र – Seminar साहित्य संवाद

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE/ Int.	Sub Total	
HIUFS	साहित्य संवाद	2	-	-	2 Hours	-	100	100	2

Course Objective :

- साहित्यकारों से परिचय
- राष्ट्रीय अथवा अंतरराष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी में भागीदारी
- वर्तमान समय में रचनात्मकता के व्यावसायिक संभावनाओं की परख

Syllabus Content :

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी साहित्यकारों और लोक कलाकारों से भेंटवार्ता के दौरान जीवन, समाज और सृजनशीलता से संबंधित सामयिक मुद्दों पर कम-से-कम दस प्रश्नों का एक साक्षात्कार प्रस्तुत करेंगे।

अथवा

विद्यार्थी किसी एक विषय पर एकाधिक विशेषज्ञों के विचार प्रस्तुत करेगा/करेगी।

Course Learning Outcomes :

- यह प्रश्नपत्र साहित्य में विद्यार्थियों की दक्षता एवं सक्रिय हस्तक्षेप को प्रेरित करता है जिससे छात्र स्वयं इसके नाना व्यावसायिक स्वरूपों को विकसित करने में समर्थ हो सकेगा।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।
- रचनात्मकता के नव्य से नव्यतर नाना रूपों को विकसित करने में यह प्रश्नपत्र सबसे ज्यादा उपयोगी है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	3	2	3
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	3	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातक हिंदी (ऑनर्स)
सेमेस्टर – VI
प्रश्न पत्र – Dissertation/ Project रिपोर्ताज

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE/ Dis.	Sub Total	
HIUFD	रिपोर्ताज	4	1	-	5 Hours	-	100	100	2

Course Objective :

- हिंदी का क्षेत्र अब महज नाटक, कहानी, उपन्यास और अन्य विधाओं पर लेखन कार्य तक सीमित नहीं रह गया है। उसकी व्याप्ति नाना रूपों में आज रेडियो, टेलिविजन, सिनेमा, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा ब्लॉग लेखन के साथ-साथ विज्ञापन और विभिन्न चैनलों में है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए यह प्रश्न-पत्र विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है।

Syllabus Content :

इस प्रश्न-पत्र में विद्यार्थी विगत सत्रों के किसी भी पाठ्यक्रम से अपनी रुचि के अनुसार किसी विषय पर एक सर्जनात्मक रपट तैयार कर प्रस्तुत करेंगे। संबंधित विषय पर छात्र को विभागीय शिक्षकों के बीच मौखिकी देनी होगी।

Course Learning Outcomes :

- दूरदर्शन, रेडियो और समाचार चैनलों पर यथार्थ की प्रस्तुति का सबसे सशक्त माध्यम हो सकेगा। आज तमाम अखबारों, पत्रिकाओं में इस तरह के लेखन की मांग बढ़ रही है।
- रचनात्मकता के नव्य से नव्यतर नाना रूपों को विकसित करने में यह प्रश्नपत्र सबसे ज्यादा उपयोगी है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्र्योत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	2	3	3	2	2	2	3	3	1	2	3
CO 3	3	3	2	3	1	2	3	3	2	2	1	3
CO 4	3	2	2	2	2	1	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly